नाम Sarvesh Kumar अनुक्रमांक 1359

# वार्षिक परीक्षा-2024

## सामान्य हिन्दी

$B_1$-XII-सामान्य हिन्दी

समय : 3:15 घण्टे] कक्षा–12 [पूर्णांक : 100

निर्देश- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

### खण्ड 'क'

1. नीचे दिये गये विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए-

(क) 'उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण' के रचनाकार है- 1
(A) गोकुलनाथ (B) दामोदर शर्मा (C) नाभादास (D) मुंशी सदासुखलाल

(ख) भारतेन्दु युग की पत्रिका है- 1
(A) कविवचन सुधा (B) सरस्वती (C) मर्यादा (D) हंस

(ग) हिन्दी गद्य साहित्य के द्वितीय उत्थान का प्रारम्भ हुआ- 1
(A) सन् 1918 ई. में (B) सन् 1900 ई. में
(C) सन् 1936 ई. में (D) सन् 1938 ई. में

(घ) निम्नलिखित में से कौन-सा निबन्ध व्यंग का अच्छा उदाहरण है- 1
(A) गेंहूँ बनाम गुलाब (B) आखिरी चट्टान
(C) निन्दा रस (D) अशोक के फूल।

(ङ) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक थे- 1
(A) डॉ. सम्पूर्णानन्द जी (B) पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी
(C) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (D) रामवृक्ष बेनीपुरी।

2. नीचे दिये गये विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए-

(क) 'सरोज स्मृति' के रचयिता है- 1
(A) दिनकर (B) निराला (C) अज्ञेय (D) पन्त

(ख) निम्न में से मैथिलीशरण गुप्त का पहला काव्य संग्रह है- 1
(A) यशोधरा (B) सिद्धराज (C) भारत-भारती (D) पंचवटी।

(ग) ''छायावाद' स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है'' कथन है- 1
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) गुलाबराय (C) धीरेन्द्र वर्मा (D) डा. नगेन्द्र

(घ) 'सन्धिनी' गीत संग्रह है- 1
(A) कीर्ति चौधरी का (B) सुमन राजे का
(C) शकुन्तला माथुर का (D) महादेवी वर्मा

(ङ) कवि पन्त समाजवाद की ओर उन्मुख हुए- 1
(A) ग्राम्या में (B) स्वर्ण धूलि में (C) चिदम्बरा में (D) ग्रन्थि में।

3. दिये गये गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×5=10

कुछ 'मिशनरी' निन्दक मैंने देखे हैं। उनका किसी से वैर नहीं द्वेष नहीं। वे किसी का बुरा नहीं सोचते। पर चौबीसों घण्टे वे निन्दा कर्म में बहुत पवित्र भाव से लगे रहते हैं। उनकी नितान्त निर्लिप्तता, निष्पक्षता इसी से मालूम होती है कि वे प्रसंग आने पर अपने बाप की पगड़ी भी उसी आनन्द से उछालते हैं, जिस आनन्द से अन्य लोग दुश्मन की। निन्दा इनके लिए 'टानिक' होती है।

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।
(ग) प्रस्तुत गद्यांश में 'मिशनरी' निन्दक से क्या तात्पर्य है?
(घ) मिशनरी निन्दक किस भाव से निन्दा करने में लगे रहते हैं?
(ङ) निन्दा करने वाले लोग दुश्मन की पगड़ी उछालने के साथ ही और किसकी पगड़ी भी उसी आनन्द से उछालते हैं?

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही, दुरुह है। यदि भाषा में विकासशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों

P.T.O.

PDF Hindustanknowledge.com

में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फरसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गये हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी जनजाने में अनायास ही होता है।

(क) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) साहित्यिक दायरे में विदेशी भाषा के शब्दों को किस रूप में ग्रहण करना पड़ता है?
(ग) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक ने किसके महत्व का प्रतिपादन किया है?
(घ) भाषा की प्रारंभिक इकाई क्या है?
(ङ) प्रस्तुत गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

4. **दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** 2×5=10

कह न ठंडी साँस में अब भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी दृग में सजेगा आज पानी,
हार भी तेरी बनेगी मानिनी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है अगर दीपक की निशानी!
है तुझे अंगार-शय्या पर मृदुल कलियाँ बिछाना!
जाग तुझको दूर जाना!

(क) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ एवं प्रसंग लिखिए।
(ख) उपर्युक्त पद्यांश किस काव्य-संग्रह से उद्धुत है?
(ग) इस पद्यांश की रचनाकार कौन हैं?
(घ) प्रस्तुत पंक्तियों में कवियत्री ने किसका आहान किया है?
(ग) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

**अथवा**

आज की दुनिया विचित्र नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन।
है बँधे नर के करो में वारि विद्युत-भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
हैं नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि, सिन्धु एक समान।

(क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(ग) आज की दुनिया को विचित्र और नवीन क्यों कहा गया है?
(घ) आज के मनुष्य ने किस पर विजय प्राप्त कर ली है?
(घ) ''प्रकृति पर सर्वत्र विजयी पुरुष आसीन'' इस पंक्ति में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

5. (क) **निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए** (शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ii) प्रो.जी. सुन्दर रेड्डी
(iii) पं. दीनदयाल उपाध्याय (iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) **निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए-** (शब्द सीमा 80 शब्द) 3+2=5

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) मैथिली शरण गुप्त (iv) महादेवी वर्मा

6. **'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।**(शब्द सीमा 80 शब्द) 5

**अथवा**

**'धुवयात्रा' कहानी की नायिका 'उर्मिला' का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।** (शब्द सीमा 80 शब्द)

7. **स्वपठित खण्डकाव्य के 'प्रथम सर्ग' का चरित्रांकन अपने शब्दों में कीजिए।** 5

**अथवा** (शब्द सीमा 80 शब्द)

**स्वपठित खण्डकाव्य की नायिका का चरित्रांकन अपने शब्दों में कीजिए।**

**खण्ड 'ख'**

8. (क) **दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-** 2+5=7

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि। उदयास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेद करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेन्महममृता स्यामिति। याज्ञवल्क्य उपाच-नेति।

PDF Hindiknowledge.com

अथवा

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिकों नेता, पटुः पत्र काश्चासीत्। परमस्य सर्वोच्चगुणः जनमेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान दुःखितान् पीड्यमानाश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहारयञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्।

(ख) **दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए-** 2+5=7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिवेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्च कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

अथवा

परोक्षे कार्य हन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम्।
वर्जयेतादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम्।।

9. **निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए-** 2

(i) अपना घर समझना (ii) अन्धे के आगे रोना
(iii) कलई खुलना (iv) ऐसी-तैसी करना।

10. **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

बंगाल का शस्य स्यामला धरती का सौन्दर्य अविस्मरणीय है इसके मनोहर और उन्मुक्त सौन्दर्य को प्रतिभाशाली रचनाकार अपने गीतों निबन्धों और कविताओं में बांधने की कोशिश करते रहते हैं। अविभाजित बंगाल का सौन्दर्य किसी भी संवेदनशील मस्तिष्क के भीतर हलचल पैदा कर सकता है। चाँदी सी चमकती मीलों लम्बी नहरों और नदियों के बीच पन्नों की तरह चमकते हरे-भरे खेतों के चित्र संवेदनशील मन को अपूर्व आनन्द से भर देते हैं। इस अनोखे वरदान के केवल वही पात्र हैं जिन्हें इस धरती पर पैदा होने का सौभाग्य मिला है।

(i) **लेखक की दृष्टि में बंगाल की शस्य-श्यामला धरती का सौन्दर्य कैसा है?** 1
(अ) अविस्मरणीय (ब) मायावी (स) आकर्षक (द) असामान्य

(ii) **बंगाल के मनोहर और उन्मुक्त सौन्दर्य को प्रतिभाशाली रचनाकार बाँधने की कोशिश करते हैं।**
(अ) गीतों में (ब) निबन्धों में (स) कविताओं में (द) इन सभी में

(iii) **मीलों लम्बी नहरें किसकी भाँति चमकती हैं?** 1
(अ) सोने की भाँति (ब) ताँबे की भाँति (स) चाँदी की भाँति (द) कोयले की भाँति

(iv) **हरे-भरे खेत किसकी तरह प्रतीत हो रहे हैं?** 1
(अ) सरसों के फूलों की भाँति (ब) पन्नों की तरह
(स) गुलाब के फूलों की तरह (द) इनमें से कोई नहीं।

(v) **इस अनोखे वरदान के पात्र कौन है?**
(अ) जो इस धरती पर विचरण करते हैं (ब) जो इस धरती से जा चुके हैं
(स) जिन्हें इस धरती पर पैदा होने का सौभाग्य मिला है

अथवा

जब बचपन तुम्हारे गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिन्दगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर,
जोर अजमाने लगे
जब मासूम आँखों मे,
खौफ नजर आने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
जब तोतली बोलियाँ, खामोश जो जाएँ, समझो.....
कुछ नहीं बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थे आँसू
रोना चाहिए या ऊपरवाले को, आसमाँ से फूट-फूटकर
शर्म से झुकनी चाहिए थी, इंसानी सभ्यता की गर्दनें



PDF Hindustanknowledge.com